एक्सप्रेसवे के जाल से पूर्वांचल में बनेगा औद्योगिक माहौल

गोरखपुर-शामली एक्सप्रेसवे से गोरखपुर-महराजगंज-सिद्धार्थनगर और लिंक एक्सप्रेसवे से जुड़ रहे हैं गोरखपुर-संतकबीरनगर व आजमगढ़

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। गोरक्षनगरी के चारों ओर एक्सप्रेस-वे का जाल भी होगा। लिंक एक्सप्रेस-वे के अलावा गोरखपुर-सिलिगुड़ी और गोरखपुर-शामली एक्सप्रेस वे बनते ही पड़ोसी जिला देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज और संतकबीरनगर एक्सप्रेस-वे से जुड़ जाएंगे। इसका सीधा फायदा उद्योग और कल कारखानाओं को होगा। यहां की फैक्टरियों में तैयार माल को यूपी के अलावा देश के किसी भी अन्य हिस्से में भेजना और वहां से कच्चा माल मंगाना आसान हो जाएगा। इससे पूर्वांचल की सामाजिक और आर्थिक स्थिति भी बदल जाएगी। साथ ही गीडा और धुरियापार औद्योगिक गलियारा चमकने लगेगा।

विकास के पथ पर तेजी से दौड़ रही गोरक्षनगरी को अब औद्योगिक हब के रूप में नई पहचान मिलने लगी है। एम्स, फर्टिलाइजर के बाद गीडा में अंकुर उद्योग, गैलेंट इस्पात को सीमेंट फैक्ट्री पहले ही लग चुकी है। इससे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से करीब दस हजार लोगों को रोजगार मिल चुका है और अब पेप्सिको का प्लांट लगने से 11 हजार लोगों को रोजगार मिला है। कोकाकोला की फैक्टरी भी पांच एकड़ में लगने जा रही है। एक्सप्रेस वे के किनारे ही सेक्टर 27 व 28 में पूर्वांचल का सबसे बड़ा प्लास्टिक पार्क विकसित हो रहा है। इसके बगल में कपिला पशु आहार बनाने की फैक्टरी लगने जा रही है, जमीन आवंटित हो चुकी है। वहीं, धुरियापार में अदाणी, जेके व श्री सीमेंट प्रबंधन ने सीमेंट फैक्टरी लगाने के लिए जमीन मांगी है। कुल 350 कंपनियों ने गीडा में 1.71 लाख करोड़ के निवेश का अनुबंध इनवेस्टर समिट में किया था, इससे भी करीब दो लाख रोजगार का सृजन होगा।

लिंक एक्सप्रेसवे। सोत-सोशल मीडिया

लिंक एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे

9 जनवरी को प्रकाशित खबर।

कुशीनगर से एक्सप्रेसवे से जुड़ जाएगा झांसी

छह लेन विस्तार की संभावना वाले बन रहे नए एक्सप्रेस-वे भारत माला परियोजना के तहत बनाए जा रहे हैं। इनकी सबसे बड़ी खासियत यही है कि ये सभी एक दूसरे से इस तरह से कनेक्ट होंगे कि प्रदेश के एक छोर से दूसरे छोर की यात्रा आसान हो जाएगी। टूर आपरेटर संजय यादव बताते हैं कि सिलीगुड़ी एक्सप्रेस वे पर कुशीनगर से यात्रा शुरू करिए तो यह गोरखपुर में लिंक एक्सप्रेस-वे तक पहुंचाएगा। वहां से लिंक एक्सप्रेस आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जोड़ देगा। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे लखनऊ से कनेक्ट है। लखनऊ से आगरा तक पहले से एक्सप्रेस-वे चालू है। आगरा से झांसी तक बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे बन रहा है। इस तरह देखें तो यूपी के पूर्वी छोर से लिंक एक्सप्रेस-वे पर यात्रा शुरू करिए तो मध्य प्रदेश बार्डर पर स्थित प्रदेश के दूसरे छोर झांसी तक जा सकते हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे बन जाने के बाद ये सभी एक्सप्रेस-वे आपस में जुड़ जाएंगे जो प्रदेश को तरक्की की नई राह दिखाएंगे।

मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर से सीधे जुड़ेगा गोरखपुर : दूसरा एक्सप्रेस-वे गोरखपुर-शामली है, जिसके बन जाने से गोरखपुर सीधे मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर आदि जिलों से जुड़ेगा। अभी पश्चिमी यूपी से पूर्वी यूपी के बीच वाया लखनऊ ही सबसे सुगम रास्ता है।

इस नए एक्सप्रेस वे के बन जाने से बहराइच-बलरामपुर, खीरी लखीमपुर जैसे नेपाल बार्डर के किनारे स्थित जिलों के लोगों को एक तो आवागमन का बेहतर विकल्प मिलेगा, दूसरे पूर्वी यूपी के लोग और सामान सीधे पश्चिमी यूपी ही नहीं हरियाणा के पानीपत और अंबाला तक पहुंच जाएगा। इसीलिए गोरखपुर-शामली एक्सप्रेस को आगे पानीपत से भी जोड़ा जाएगा।

बदल जाएगी गीडा और धुरियापार की किस्मत

चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आरएन सिंह कहते हैं कि गीडा के बाद इन एक्सप्रेस-वे से धुरियापार की भी किस्मत खुल जाएगी। वजह यह कि गोरखपुर एक्सप्रेस-वे और हाईवे के केंद्र में आ रहा है। इस इलाके में मजदूर उपलब्ध हैं, जमीन उपलब्ध है और अब बेहतर आवागमन के साधन भी मिल जाएंगे। अभी शहरीकरण कम होने की वजह से उद्योगों को प्रदूषण की एनओसी के लिए भी अधिक भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। इसीलिए आने वाले समय में गीडा के अलावा लिंक एक्सप्रेस-वे और धुरियापार में अधिक फैक्टरियां लगेंगी।

लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष दीपक कारीवाल बताते हैं कि एक्सप्रेस-वे बन जाने से गोरखपुर के रेडिमेड उद्योगों को लाभ मिलेगा। क्योंकि यहां तैयार माल झारखंड और असम तक जा रहा है। अभी सीधा रास्ता नहीं होने से माल भाड़ा अधिक लगता है। एक्सप्रेस वे बन जाने से यहां तैयार माल बिहार, बंगाल और असम भेजना आसान होगा। वहीं शामली एक्सप्रेसवे के जरिए हरियाणा की राह आसान से पंजाब-हरियाणा से भी यहां व्यापार बढ़ेगा।

गोरखपुर-सिलिगुड़ी एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा देवरिया-कुशीनगर-गोरखपुर

गोरखपुर-सिलिगुड़ी एक्सप्रेस देवरिया और कुशीनगर से होकर गुजरेगा। इसके बन जाने से पूर्वी भारत का पूर्वी यूपी से सीधा रास्ता बन जाएगा। इसके बाद अभी असम में जो सामान भेजने में 25 घंटे लगते हैं वह बमुश्किल 15 घंटे में पहुंच जाएगा। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और असम, मेघालय आदि से कच्चा माल भी आसानी से आएगा। असम और मेघालय से बड़े पैमाने पर बांस, चाय की पत्ती और अन्य सामान आता है।